बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन, पेण्डारी, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)

तसर रेशमकीट बीज पत्रिका

खण्ड - 05 | अंक - 02 | अक्टूबर 2019 - मार्च 2020

निदेशक की कलम से ....

मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि संगठन कार्यालय की तसर रेशमकीट बीज पत्रिका का यह अंक छपकर तैयार है। वैसे तो इस पत्रिका का प्रकाशन राजभाषा नीतियों के कार्यान्वयन के अंग के रूप में किया जाता है लेकिन पिछले कुछ वर्षों से यह बुनियादी तसर रेशम कीट बीज संगठन की तसर रेशम उत्पादन संबंधी गतिविधियों, कीटपालन तकनीकियों एवं अनुसंधान आदि कार्यक्रमों को अधीनस्थ केन्द्रों में कार्यरत कार्मिकों तथा संगठन कार्यालय के कार्यक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले दूर-दराज के कृषकों, रेशम उत्पादकों एवं हितग्राहियों तक पहुंचाने में सहायक एवं उपयोगी साबित हो रही है।

बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन कार्यालय बिलासपुर, केन्द्रीय रेशम बोर्ड, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार का बुनियादी तसर बीज उत्पादन संबंधी अग्रणी संस्थान है। संगठन कार्यालय के विभिन्न राज्यों में फैले 19 बु.बी.प्र. व प्र.कें./ के.त.रे.बी.के. के बृहद नेटवर्क के माध्यम से राज्य रेशम विभागों, पणधारियों एवं रेशम उत्पादक कृषकों की तसर रेशम उत्पादन संबंधी मांग एवं आपूर्ति को ध्यान में रखकर गुणवत्ता एवं मात्रात्मक प्राचलों के अनुरूप बीज आपूर्ति की जाती है। साथ ही साथ तसर उत्पादन कार्यों से जुड़े हुए आखिरी आदमी तक तसर रेशम उत्पादन संबंधी अनुसंधानों एवं तकनीकों को पहुंचाने के लिए यह आवश्यक है कि वैज्ञानिक एवं तकनीकी गतिविधियों को राजभाषा हिन्दी के माध्यम से उन तक पहुंचाया जाए ताकि वे केन्द्रीय रेशम बोर्ड की योजनाओं का पूरी तरह से लाभ ले सकें व प्रक्षेत्र में उनका सफलतापूर्वक क्रियान्वयन कर सकें। उक्त सभी उद्देश्यों को पूर्ण करने में संगठन कार्यालय की यह पत्रिका सफल रही है। इसी कड़ी में पत्रिका का यह अंक भी पिछली छमाही में किए गए मुख्य–मुख्य कार्यों की सूचना आप तक पहुंचाने में सहायक साबित होगा। प्रकाशनाधीन अवधि में संगठन कार्यालय द्वारा किए गए कार्यों को आपसे साझा करते हुए मुझे अत्यंत हर्ष हो रहा है।

संगठन कार्यालय द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी कार्यक्रमों के अंतर्गत 02 हिन्दी कार्यशालाओं, 01 राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों, अधीनस्थ केन्द्रों की राजभाषा अर्धवार्षिक समीक्षा बैठक का आयोजन, नराकास, बिलासपुर एवं बोर्ड की बैठकों में वीडियों कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से सहभागिता, हिन्दी भाषा का प्रशिक्षण तथा राजभाषा विभाग द्वारा तैयार की गई विभिन्नि सूचना प्रौद्योगिकियों जैसे; लीला मोबाइल ऐप, प्रशासनिक शब्दावली ऐप, ई-महाशब्दकोश ऐप, प्रवाचक, श्रुतलेखन एवं लीला प्रवाह तथा गूगल ट्रांसलेशन, फोंट परिवर्तक एवं यूनिकोड आदि का प्रयोग करना सिखाया गया साथ ही हिन्दी प्रेरणात्मक व्याख्यान माला को भी जारी रखा गया। प्रकाशनाधीन अवधि में अनुसंधान एवं तकनीकी कार्यक्रमों के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप गुणवत्ता युक्त बुनियादी एवं नाभिकीय तसर रेशम कीट बीजों के 37.36 लाख रोग मुक्त चकत्तों का उत्पादन कर

36.45 लाख रोग मुक्त चकत्तों की आपूर्ति की गई जो निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष क्रमशः 102.86% तथा 112.88% रही एवं कोसा रोग मुक्त चकत्ते अनुपात 3.71:1 रहा। इसके अलावा उक्त अवधि में प्रबंधन सूचना प्रणाली (एमआईएस) विषय पर कार्यशाला का आयोजन, तसर बीज कार्य योजना की बैठक, अर्धवार्षिक समीक्षा बैठक, कौशल प्रशिक्षण एवं उद्यमशीलता विकास कार्यक्रम के अंतर्गत स्मार्ट ऑफिस कल्चर हेतु आधारभूत आवश्यकताएं विषय पर सेमीनार, तसर जागरूकता कार्यशालाओं का आयोजन, संसाधन विकास कार्यक्रम, जागरूकता दिवस, प्रक्षेत्र दिवस तथा राज्य रेशम विभागों के साथ तसर संबंधी कार्यक्रमों में समन्वय स्थापित किया गया। इसके अलावा केन्द्रीय कार्यालय से समय-समय पर प्राप्त दिशा-निर्देशों के अनुपालन में, सर्तकता दिवस, संविधान दिवस, गणतंत्र दिवस, स्वच्छता ही सेवा अभियान एवं केन्द्रीय रेशम बोर्ड की अखिल भारतीय राजभाषा आलेख प्रतियोगिता का भी सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। मेरा मानना है कि पत्रिका का यह अंक तसर समुदाय के लिए सूचनाप्रद एवं उपयोगी साबित होगा। पाठकों से मिले सुझावों के अनुसार पत्रिका का अंक धीरे – धीरे परिष्कृत एवं परिमार्जित होता जा रहा है तथा आगे भी आपके सृजनात्मक बहुमूल्य सुझावों का स्वागत रहेगा ताकि इसे और अधिक सूचनाप्रद एवं उपयोगी बनाया जा सके।

मैं हिन्दी अनुभाग के राजभाषा कार्यान्वयन की दिशा में किए गए प्रयासों की सराहना करता हूँ तथा राजभाषा हिन्दी के माध्यम से तसर रेशमकीट बीज संबंधी कार्यक्रमों को इससे जुड़े लोगों तक पहुंचाने के लिए तथा पत्रिका का यथासमय प्रकाशन करने हेतु बधाई देता हूँ। साथ ही पत्रिका के प्रकाशन से जुड़े संपादक मंडल एवं अन्य सहयोगियों का इसके प्रकाशन में प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से सहयोग देने हेतु आभार व्यक्त करता हूँ।

शुभकामनाओं सहित

डॉ. आलोक सहाय
निदेशक, बु.त.रे.बी.सं., बिलासपुर

बु.त.रे.बी.सं., बिलासपुर की वर्ष 2019 - 2020 की मुख्य उपलब्धियां

बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन (बी.टी.एस.एस.ओ.) 09 तसर उत्पादक राज्यों में स्थित 18 बुनियादी बीज प्रगुणन व प्रशिक्षण केन्द्रों (बी.एस.एम.टी.सी.) एवं 01 केन्द्रीय तसर रेशमकीट बीज केन्द्र (सीटीएसएसएस), कोटा को तसर रेशमकीट बीज में सहयोग हेतु निरन्तर कार्यरत है। प्रकाशनाधीन अवधि में संगठन कार्यालय की मुख्य तकनीकी उपलब्धियां निम्नानुसार है।

- इस दौरान 138.79 लाख बीज कोसे की प्रक्रिया की गई एवं 37.36 लाख रोग मुक्त चकत्ते (बुनियादी बीजः 18.33 लाख एवं नाभिकीय बीज : 19.03 लाख) का उत्पादन किया गया।
- तसर उत्पादक राज्यों एवं सिस्टर यूनिटों को कुल 36.45 लाख रो.मु.च. की आपूर्ति की गई है।
- विभागीय कीटपालन के तहत 42.59 लाख बीज कोसो के उत्पादन के लिए 01.13 लाख रो.मु.च. का कीटपालन किया गया।
- अभिग्रहित कीटपालकों से 3.24 लाख रो.मु.च. कीटपालित किए गए जिससे 141.92 लाख कोसों का उत्पादन किया गया।
- तसर रेशम कृषकों में सामान्य जागरूकता हेतु 06 रेडियों कार्यक्रम तथा 03 दूरदर्शन कार्यक्रम आयोजित किए गए।
- बु.त.रे.बी.सं. द्वारा बिलासपुर की अधीनस्थ इकाइयों द्वारा ग्राम के अभिग्रहित कृषकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया।
- रोग मुक्त चकत्तों एवं फोकी कोसों की बिक्री से वित्तीय वर्ष 2019-20 में 3.30 करोड़ के राजस्व की प्राप्ति हुई।
- बीडीआर-10 के 4.54 लाख रो.मु.च. तैयार किए गए तथा 4.43 लाख रो.मु.च. की राज्य- रेशम विभाग को आपूर्ति की गई।

राजभाषा कार्यान्वयन

1. हिन्दी कार्यशालाओं का आयोजन :

बुतरेबीसं, बिलासपुर में दिनांक 20-12-2019 एवं 03-03-2020 को क्रमशः निदेशक डॉ. आर. बी. सिन्हा एवं डॉ. एम. एस. राठौड़, वैज्ञानिक – सी की अध्यक्षता में 02 एक दिवसीय हिन्दी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। कार्यशालाओं के दौरान हिन्दी टिप्पण लेखन, पत्राचार के विभिन्न स्वरूप व्याकरणिक भूलें एवं उनका निराकरण तथा राजभाषा विभाग द्वारा विकसित ई-महाशब्दकोश की संस्थापना एवं प्रयोग तथा धारा 3(3) के अंतर्गत आने वाले अभिलेखों का अनुवाद करना आदि विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशालाओं में क्रमशः श्री विक्रम सिंह, वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी व सचिव नराकास, बिलासपुर एवं डॉ. अमिता, सहायक प्राध्यापक, गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय बिलासपुर ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

2. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक :

संगठन कार्यालय में राजभाषा नीतियों के सफल कार्यान्वयन हेतु दिनांकः 30-12-2019 को डॉ. आर.बी. सिन्हा, निदेशक, बुतरेबीसं, बिलासपुर की अध्यक्षता में 79वीं राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित की गई जिसमें संगठन कार्यालय के राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी कार्यों की समीक्षा की गई तथा लिए गए निर्णयों पर अनुवर्ती कार्रवाई की गई।

3. अधीनस्थ केन्द्रों की समीक्षा बैठक :

दिनांक 27-12-2019 को डॉ. आर. बी. सिन्हा, निदेशक की अध्यक्षता में बुतरेबीसं की अधीनस्थ केन्द्रों की राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी छमाही बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान सभी केन्द्रों की अप्रैल- जून 2019 एवं जुलाई –सितम्बर 2019 की तिमाहियों की प्रगति रिपोर्टों की समीक्षा की गयी।

4. केन्द्रीय रेशम बोर्ड की बैठक में सहभागिताः

दिनांक 19-12-2019 को वीडियों कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से सदस्य सचिव, केन्द्रीय रेशम बोर्ड, बेंगलुरू की अध्यक्षता में आयोजित 133वीं बैठक में संगठन कार्यालय ने सहभागिता की।

5. विश्व हिन्दी दिवस का आयोजनः

बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन, केन्द्रीय रेशम बोर्ड, बिलासपुर में दिनांक 10-01-2020 को विश्व हिन्दी दिवस का आयोजन किया गया। उक्त अवसर पर संगठन कार्यालय में अखिल भारतीय स्तर पर केन्द्रीय रेशम बोर्ड द्वारा "सिल्क रोडः मिथक एवं वास्तविकता" विषय पर आलेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उक्त प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य वैज्ञानिक क्षेत्रों में हिन्दी के प्रयोग को रुचिकर बनाना था। आलेखन प्रतियोगिता में केन्द्रीय रेशम बोर्ड की विभिन्न राज्यों में स्थित इकाइयों के 26 अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।

6. नगर राजभाषा कार्यन्वयन समिति की बैठक में सहभागिता :

दिनांक 23-01-2020 को आयोजित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, बिलासपुर की छमाही बैठक में संगठन कार्यालय के डॉ. एम. एस. राठौड़, वैज्ञानिक – सी एवं श्री फूल सिंह लोधी, कनिष्ठ अनुवादक हिन्दी ने भाग लिया।

अर्धवार्षिक समीक्षा बैठक का आयोजन

बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन, बिलासपुर में दिनांक 27-12-2019 को अर्धवार्षिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए संगठन के निदेशक डॉ. आर. बी. सिन्हा ने देशभर के विभिन्न राज्यों में स्थित बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केन्द्रों के वैज्ञानिकों से बुनियादी तथा नाभिकीय तसर रेशमकीट बीज उत्पादन के लक्ष्य की प्राप्ति में बीज संगठन की भूमिका एवं संभावनाओं पर चर्चा करते हुए तसर रेशमकीट बीज उत्पादन संबंधी मांग, आपूर्ति, गुणवत्ता एवं आगामी वर्ष के लिए निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु कार्य योजना की समीक्षा की गई। इसके अलावा विभिन्न केन्द्रों के वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा किए गए तसर संबंधी अनुसंधानों एवं विकसित नवीन तकनीकों की प्रक्षेत्र में व्यवहार्यता एवं तसर कृषकों को होने वाले लाभ एवं रोजगार की संभावनाओं आदि पर विस्तृत चर्चा की।

संसाधन विकास कार्यक्रम का आयोजन

बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन, बिलासपुर द्वारा राज्य रेशम विभाग, छत्तीसगढ़ के संयुक्त तत्वाधान एवं डॉ. आलोक सहाय, निदेशक, बुतरेबीसं, बिलासपुर की अध्यक्षता में दिनांक 17-02-2020 से 22-02-2020 तक एकीकृत मृदा से रेशम परियोजना के अंतर्गत संसाधन विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त अवसर पर डॉ. राजेश बघेल, अपर संचालक, रेशम संचालनालय, छत्तीसगढ़ विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए उद्घाटन के अवसर पर संगठन कार्यालय के निदेशक डॉ. आलोक सहाय ने अपने उद्बोधन में बताया कि वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार उक्त कार्यक्रम का आयोजन छत्तीसगढ़ राज्य के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को एकीकृत मृदा से रेशम परियोजना में संसाधन विकास हेतु किया जाता है। इस कार्यक्रम में राज्य रेशमविभाग के कर्मचारियों को तसर रेशमउत्पादन संबंधी विविध आयामों जैसे, सिल्क रीलिंग, स्पिनिंग, वीविंग, विसंक्रमण का महत्व, गुणवत्ता तसर रेशमकीट बीज उत्पादन, निजी बीजागारकों की अवधारणा, सफल ग्रेनेज स्थापना एवं रेशमकीट रोग प्रबंधन आदि विषयों पर विभिन्न रेशम वैज्ञानिकों एवं विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। साथ ही रेशम उत्पादन से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु रेशम उत्पादन संबंधी नवीनतम प्रौद्योगिकियों पर तकनीकी डेमोस्ट्रेशन संबंधी प्रदर्शनी भी आयोजित की गई तथा प्रेरणात्मक एवं साफ्ट स्किल्स के विकास संबंधी व्याख्यान भी आयोजित किए गए।

रेडियो कार्यक्रमः

दिनांक 15 फरवरी, 2020 को रेडियो किसान दिवस के अवसर पर संगठन कार्यालय के निदेशक डॉ. आलोक सहाय ने आकाशवाणी बिलासपुर में तसर रेशमकीट बीज उत्पादन से रोजगार की संभावनाएं विषय पर वार्ता आयोजित की।

बुतरेबीसं, बिलासपुर के निदेशक महोदय के दौरेः

संगठन कार्यालय के निदेशक डॉ. आर. बी. सिन्हा ने दिनांक 5-12-2019 को बुबीप्रवप्रके, बस्तर का दौरा किया तथा उक्त केन्द्र की विभिन्न गतिविधियों की समीक्षा की।

सी व्ही रामन विश्वविद्यालय का दौरा :

बुनियादी तसर रेशम कीट बीज संगठन, केन्द्रीय रेशम बोर्ड, बिलासपुर के निदेशक डॉ. आलोक सहाय ने दिनांक 14-02-2020 सी. व्ही. रामन, विश्वविद्यालय का दौरा किया तथा कुलपति डॉ. रवि प्रकाश दुबे से रेशम अनुसंधान संबंधी विभिन्न आयामों पर चर्चा की तथा तकनीकी कोलेवेरेशन एवं रेशम उत्पादन को रोजगारोन्मुखी पाठयक्रम के रूप में सम्मिलत करने संबंधी संभावनाओं पर भी विमर्श किया। उक्त अवसर पर आपने तसर रेशमउत्पादन एवं कीट पालन के बारे में छात्रों को जानकारी दी तथा विश्वविद्यालय के रेडियो स्टेशन एवं पुस्तकालय का भी अवलोकन किया।

कुलपति डॉ. रवि प्रकाश दुबे ने उनके इस दौरे को विश्वविद्यालय के लिए उपयोगी बताते हुए निदेशक का आभार व्यक्त किया।

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय का दौरा :

बुनियादी तसर रेशम कीट बीज संगठन, केन्द्रीय रेशम बोर्ड, बिलासपुर के निदेशक डॉ. आलोक सहाय ने दिनांक 15-02-2020 को अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर का दौरा किया तथा कुलपति प्रो. जी. डी. शर्मा से तसर रेशम अनुसंधान एवं विकास संबंधी एम.ओ. यू. करने संबंधी औपचारिकताओं पर चर्चा की।

वैज्ञानिकों / विद्यार्थियों /अधिकारियों के दौरे :

के.त.रे.अनु.व प्र.सं., रांची के वैज्ञानिकों का दौरा : संगठन कार्यालय में दिनांक16-02-2020 को डॉ. विशाल मित्तल, वैज्ञानिक- डी एवं डॉ. कर्म वीर जेना, वैज्ञानिक – डी ने दौरा किया तथा तसर बीज उत्पादन संबंधी गतिविधियों की जानकारी ली।

ग्रामोद्योग संचालनालय छत्तीसगढ़ के निदेशक का दौरा :

दिनांक 03-01-2020 को ग्रामोद्योग संचालनालय छत्तीसगढ़ (रेशम प्रभाग) के निदेशक भा.प्र.से. श्री सुधाकर ने संगठन कार्यालय का दौरा किया तथा तसर रेशमकीट बीज उत्पादन संबंधी निरीक्षण किया।

राज्य रेशम विभाग छत्तीसगढ़ के कर्मचारियों का दौराः

दिनांक 20-02-2020 बुबीप्रवप्रके, बिलासपुर में छत्तीसगढ़ राज्य रेशम विभाग के प्रशिक्षणार्थियों ने दौरा किया तथा तसर रेशम उत्पादन संबंधी क्रियाकलापों की जानकारी ली।

गुरू घासीदास विश्वविद्यालय के छात्रों का दौराः

दिनांक 14-02-2020 को बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केन्द्र बिलासपुर में गुरुघासीदास विश्वविद्यालय के बीएससी वानिकी के छात्रों ने दौरा किया उक्त अवसर पर डॉ. सी श्रीनिवास, वैज्ञानिक – डी ने उन्हें तसर रेशम उत्पादन के बारे में जानकारी प्रदान की।

कृषकों का दौराः

दिनांक 06-03-2020 को जांजगीर चांपा के 60 कृषकों ने सॉइल टू सिल्क परियोजना के अंतर्गत बुबीप्रवप्रके, बिलासपुर का दौरा किया उक्त अवसर पर डॉ. सी. श्रीनिवास, वैज्ञानिक–डी ने उन्हें तसर रेशमकीट बीज उत्पादन संबंधी जानकारी प्रदान की तथा भारत के संविधान के मूल अधिकारों के बारे में भी जानकारी प्रदान की।

सेमीनार/कान्फ्रेंस में प्रतिभागिता

सेमीनार/कान्फ्रेंस में प्रतिभागिता

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय के कंप्यूटर अनुभाग द्वारा दिनांक 04 -05 जनवरी, 2020 को इनोवेशन रिर्सच इन साइंस, मेनेजमेंट एण्ड टेक्नालॉजी विषय पर अंतरराष्ट्रीय कान्फ्रेंस आयोजित की गई जिसमें संगठन कार्यालय के डॉ. एम. एस. राठौड़, वैज्ञानिक – सी ने सोइल न्यूट्रेंट स्टेटस एण्ड ग्रेनेज परफारमेंश ऑफ ट्रॉपिकल तसर सिल्क वार्म पर तथा डॉ .चन्द्र शेखरैय्या, वैज्ञानिक – सी ने बीडीआर -10, एन अथोराइज्ड ब्रीड ऑफ एन्थेरिया मायलिट्टा थ्रू सिलेक्शन ब्रीडिंग विषयों पर शोध पत्र प्रस्तुत किए।

व्याख्यानः

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय में दिनांक 30-12-2019 को आयोजित स्मार्ट ऑफिस कल्चर प्रशिक्षण कार्यक्रम में संगठन कार्यालय के निदेशक डॉ. आर. बी. सिन्हा, डॉ. एम. एस. राठौड़, वैज्ञानिक – सी एवं श्री फूल सिंह लोधी,कनिष्ठ अनुवादक (हिन्दी) ने व्याख्यान दिए।

पुरस्कार

1. नराकास, बिलासपुर पुरस्कारः

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, बिलासपुर द्वारा दिनांक 11-10-20219 को आयोजित टिप्पण लेखन प्रतियोगिता में संगठन कार्यालय के श्री बैद्य नाथ मिश्रा, तकनीकी सहायक ने भाग लिया तथा उन्हें दिनांक 23-01-2020 को नराकास, बिलासपुर की बैठक में पुरस्कार प्रदान किया गया।

2. बुतरेबीसं, बिलासपुर राजभाषा चल शील्डः

दिनांक 27-12-2019 को आयोजित अधीनस्थ केन्द्रों की अर्धवार्षिक राजभाषा समीक्षा बैठक में वर्ष 2018-19 के दौरान "क" क्षेत्र में राजभाषा नीतियों के श्रेष्ठ निष्पादन हेतु बुबीप्रवप्रके, बोइरदादर को राजभाषा शील्ड तथा बुबीप्रवप्रके, बस्तर को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। इसी तरह "ग" क्षेत्र में राजभाषा नीतियों के श्रेष्ठ निष्पादन हेतु बुबीप्रवप्रके, पटेल नगर को राजभाषा शील्ड तथा बुबीप्रवप्रके, सुन्दरगढ़ को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

3. तकनीकी पुरस्कारः

वर्ष 2019-20 में तसर रेशमकीट बीज उत्पादन के क्षेत्र में श्रेष्ठ निष्पादन करने हेतु प्रथम पुरस्कार बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केन्द्र, बिलासपुर को तथा द्वितीय बुबीप्रवप्रके, बस्तर एवं तृतीय बुबीप्रवप्रके, बोइरदादर को प्रदान किया गया।

कौशल प्रशिक्षण एवं उद्यमिता विकास कार्यक्रम का आयोजन

बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन कार्यालय में दिनांक 18-12-2019 को कौशल प्रशिक्षण एवं उद्यमशीलता विकास कार्यक्रम के अंतर्गत "स्मार्ट ऑफिस कल्चर हेतु आधारभूत आवश्यकताएं" विषय पर सेमीनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संगठन कार्यालय के निदेशक डॉ. आर. बी. सिन्हा ने उपस्थित मुख्य अतिथि प्रो. जी. डी. शर्मा, कुलपति, अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. सजल सेन, चीफ आपरेटिंग ऑफिसर, अपोलो हास्पिटल का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में निदेशक महोदय ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में स्मार्ट कार्यालय बनाने हेतु कर्मचारियों को प्रेरणात्मक व्याख्यान दिया। इसके बाद डॉ. सजल सेन ने हेल्थ इज वेल्थ – कार्य स्थल पर तनाव नियंत्रण तथा तनाव मुक्त वातावरण निर्मित करने पर अपना व्याख्यान दिया। कार्यक्रम के तकनीकी सत्र में प्रो. जी. डी. शर्मा, कुलपति, अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर ने कार्यस्थल पर नैतिकता और संस्कृति पर अपना व्याख्यान दिया तथा इसी सत्र में डॉ. महेन्द्र सिंह राठौड़, वैज्ञानिक – सी ने स्मार्ट कार्यालय हेतु कंप्यूटर ऐडेड टूल्स का अनुप्रयोग करने हेतु व्याख्यान दिया एवं श्री फूल सिंह लोधी ने स्मार्ट कार्यालय हेतु राजभाषा टूल्स के अनुप्रयोग पर प्रशिक्षण प्रदान किया।

प्रबंधन सूचना प्रणाली विषय पर कार्यशाला का आयोजनः

बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन कार्यालय में दिनांक 26-12-2019 को कौशल प्रशिक्षण एवं उद्यमशीलता विकास कार्यक्रम के अंतर्गत "प्रबंधन सूचना प्रणाली विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संगठन कार्यालय के निदेशक डॉ. आर. बी. सिन्हा ने विभिन्न राज्यों से आए तसर रेशम उत्पादक वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रबंधन सूचना प्रणाली के बारे में जानकारी दी तथा वर्तमान समय में इसकी आवश्यकता एवं भविष्य में उपयोगिता के बारे में बताया तथा रेशमउत्पादन के क्षेत्र में सूचना प्रौद्योगिकी के प्रयोग करने पर बल दिया। साथ ही सभी वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों से इसे अपनाने हेतु आग्रह किया।

एक दीया शहीदों के नाम कार्यक्रम का आयोजन

बुनियादी तसर रेशम कीट बीज संगठन कार्यालय में देश पर अपने प्राणों की आहूति देने वाले शहीदों को याद करते हुए "एक दीया शहीदों के नाम" कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त अवसर डॉ. एम. एस. राठौड़, वैज्ञानिक – सी ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए देश की रक्षा में अपना सर्वस्य न्यौछावर करने वाले शहीदों को याद किया एवं उन्होंने बताया कि शहीदों के कारण ही आज हमारा अस्तित्व है। इसके बाद उन्होंने शहीदों की याद में दीया जलाकर श्रृद्धांजलि अर्पित की।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन

केन्द्रीय सर्तकता आयोग, नई दिल्ली के निर्देशानुसार एवं वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार के आह्वान पर निदेशक डॉ. आर. बी. सिन्हा की अध्यक्षता में बुनियादी तसर रेशम कीट बीज संगठन बिलासपुर में दिनांक 28-10-2019 से 02-11-2019 तक सर्तकता बोध सप्ताह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सप्ताह के दौरान क्विज प्रतियोगिता, रोड शो तथा सतर्कता संबंधी पेम्फलेट्स वितरित किए। दिनांक 01-11-2019 को 'ईमानदारी एक जीवन शैली' विषय पर प्रेरणात्म्क व्याख्यान आयोजित किया तथा 02-11-2019 को सतर्कता ग्राम सभा का आयोजन किया।

संविधान दिवस जागरूकता अभियान कार्यक्रम का आयोजन

दिनांक 24-01-2020 को बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन कार्यालय में संविधान दिवस जागरुकता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए संगठन कार्यालय के डॉ. एम. एस. राठौड़, वैज्ञानिक–सी ने संविधान दिवस की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए जागरूकता कार्यक्रम के दौरान किए जाने वाले कार्यक्रमों की जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान संविधान पर एक प्रश्नोत्तारी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें संगठन कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।

शहीद दिवस का आयोजनः दिनांक 30 जनवरी 2020 को देश के स्वतंत्रता संघर्ष में अपने प्राणों का बलिदान देने वाले शहीदों की स्मृति में 2 मिनट का मौन धारण किया गया।

गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन

बुतरेबीसं, कार्यालय के परिसर में दिनांक 26 जनवरी, 2020 को प्रातः 9 बजे से गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन किया गया। उक्त अवसर पर डॉ. सी. श्रीनिवास, वैज्ञानिक –डी, बु.बी.प्र.व प्र.के., बिलासपुर ने झंडा वंदन किया तथा डॉ. एम .एस. राठौड़, वैज्ञानिक – सी, बु.त.रे.बी.सं., बिलासपुर ने गणतंत्र दिवस की महत्ता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में बुतरेबीसं, बिलासपुर, बुबीप्रवप्रके, बिलासपुर एवं रेशम तकनीकी सेवा केन्द्र, केरेप्रौअसं, बिलासपुर के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।

सफलता की कहानी, किसान की जुबानी

राज्य रेशम विभाग, रायगढ़ के कण्डोला तसर फार्म में अभिग्रहित तसर कृषकों को द्विप्रज प्रजाति के रोग मुक्त चकत्ते विगत 14-15 वर्षो से बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्राक्षिण केन्द्र, बोईरदादर द्वारा राज्य रेशम विभाग के माध्यम से आपूर्ति की जा रही है । साथ ही साथ इस केन्द्र द्वारा समय-समय पर तकनीकी मार्गदर्शन भी प्रदान किया जा रहा है । जिससे वे आज गुणवत्तायुक्त बीज कोसा उत्पादन कर बेहतर आय अर्जित कर समाज में अपनी एक अलग पहचान बना रहे है।

उपर्युक्त प्राप्त तकनीकी मार्गदर्शन के द्वारा तसर किसान श्री नारायण पिता श्री सीताराम, ग्राम-बिलाईगढ़, कण्डोला रेशम केन्द्र, जिला-रायगढ़ (छ.ग.) ने कीटपालन व्यवसाय को पिछले 5-6 वर्षो से अपनाया है, उन्होंने पौधरोपण एवं कीटपालन कार्य का अनुभव साझा करते हुए बताया कि उनके 1 एकड़ 50 डिस्मिल प्रक्षेत्र में 200 रोग मुक्त चकत्तों के द्विप्रज प्रजाति के प्रथम फसल कीटपालन से 106 कोसा/प्रति रो.मु.च. प्राप्त किया। जिससे उनको रू. 38,175/- की आमदनी हुई । इसी प्रकार उन्होनें कीटपालन के अतिरिक्त समय का सदुपयोग करके 6'X4'X4' का प्रक्षेत्र में रेन वाटर हार्वेस्टिंग बनाया और वर्तमान में वे प्रक्षेत्र में क्यारी तैयारी कर इंटरक्रापिंग को अपनाकर लालभाजी, मूलीभाजी एवं पालक भाजी इत्यादि मौसमी सब्जी की पैदावार की अतिरिक्त आय से पक्का मकान बनाया तथा अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा प्रदान कर रहे हैं एवं एक मोटर सायकल भी क्रय की है। इस तरह अपने परिवार के साथ खुशहाल जीवन यापन कर रहे हैं।

* रिपोर्ट : एम.डी.देवांगन, बी. पटेल एवं रघुनाथ एम.के. बुबीप्रवप्रके, बोईरदादर

अधीनस्थ कार्यालयों की संक्षिप्त रिपोर्ट

बु.बी.प्र.व.प्र.के., बिलासपुर द्वारा प्रदर्शनी का आयोजन :

बुबीप्रवप्रके, बिलासपुर एवं रेशम तकनीकी सेवा केन्द्र, बिलासपुर द्वारा सी.व्ही. रामन विश्वविद्यालय में रामन महोत्सव के दौरान केन्द्रीय रेशम बोर्ड की रेशमउत्पादन संबंधी प्रदर्शनी आयोजित की।

बु.बी.प्र.व.प्र.के., अंबिकापुर में अभिग्रहीत कीटपालकों का सक्षमता वृद्धि प्रशिक्षण कार्यक्रम

दिनांक 10 दिसम्बर 2019 को बुबीप्रवप्रके, अंबिकापुर में डॉ. जयकिशन सिंह, वैज्ञानिक- डी की अध्यक्षता में कृषि विज्ञान केन्द्र, अंबिकापुर में अभिग्रहीत कीटपालकों के लिए सक्षमता वृद्धि प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया उक्त अवसर डॉ. वी. के. सिंह, डीन, कृषि महाविद्यालय अंबिकापुर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहें।

बु.बी.प्र.व.प्र.के., बस्तर में क्षमता वृद्धि प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजनः

बुबीप्रवप्रके, बस्तर में दिनांक 28-11-2019 को डॉ. एम. शान्तनु बाबू की अध्यक्षता में क्षमता निमार्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया उक्त अवसर पर रेशम उत्पादन विभाग जगदलपुर के उपनिदेशक श्री साहू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहें।

बु.बी.प्र.व.प्र.के., बारीपदाः

बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केन्द्र बारीपदा में डॉ. पी. के. कर की अध्यक्षता में ने दिनांक 05-12-2019 को क्षमता वृद्धि प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें संगठन कार्यालय के निदेशक डॉ. आर. बी. सिन्हा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहें।

बु.बी.प्र.व.प्र.के., बालाघाटः

बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केन्द्र, बालाघाट में स्थित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, बालाघाट की वर्ष 2018-19 की छः माही बैठक का आयोजन दिनांक 16-10-2019 को श्री आर. एल. चौधरी, वैज्ञानिक –डी की अध्यक्षता में किया गया। बैठक के दौरान राजभाषा हिन्दी में उत्कृष्ट कार्य करने के लिये बु.बी.प्र.वप्र.के, बालाघाट को द्वितीय पुरस्कार के लिए चयन कर शील्ड एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। उक्त अवसर पर श्री हरीश सिंह चौहान, सहायक निदेशक (कार्यान्वयन) राजभाषा विभाग, भोपाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहें।

मीडिया कवरेज

प्रकाशनाधीन अवधि में संगठन कार्यालय एवं अधीनस्थ इकाइयों द्वारा किए गए कार्यक्रमों को स्थानीय अखबारों एवं न्यूज चैनल में प्रकाशित किया गया जिसका विवरण निम्नानुसार है।

बीज संगठन कार्यालय की समीक्षा बैठक में उत्पादन पर चर्चा हुई

बीज अधिनियम पर हुआ कृषक जागरूकता कार्यक्रम

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की द्वितीय छः माही बैठक सम्पन्न

50 दिनों में 73 हजार नग कोसा उत्पादन कर कमाए 1.60 लाख

कृषकों को बीज अधिनियम की दी गयी जानकारी

कोरोना से घबराएँ नहीं सावधानी बरतें।

- दिन में कई बार अपने हाथों को 20 सेकेण्ड तक साबुन व पानी से धोएँ।
- यदि सेनिटाइजर का प्रयोग कर रहे हैं तो यह सुनिश्चित कर लें कि इसमें 60% या इससे अधिक अल्कोहल हो।
- यदि किसी व्यक्ति को बुखार है या खांस या छींक रहा है तो उससे कम से कम 2 मीटर की दूरी बनाकर रखें।
- अपनी आंख, नाक व चेहरे को न छुंए तथा हर एक घंटे में या जैसा संभव हो गरम पानी पीते रहें।
- अनावश्यक यात्रा से बचें।

बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन, बिलासपुर सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत स्वच्छता रखने हेतु प्रोत्साहित करता है।

सेवानिवृत्ति

डॉ. आर. बी. सिन्हा, निदेशक , बुतरेबीसं, बिलासपुर (31-12-2019)	श्री रोहन कुमार सिंह , बहु कार्य कर्मचारी, बुबीप्रवप्रके, मधुपुर (31-01-2020)
डॉ. आर.एल. चौधरी, वैज्ञानिक – डी, बुबीप्रवप्रके, बालाघाट (31-10-2019)	श्री रामनंदा झा, बहु कार्य कर्मचारी, बुबीप्रवप्रके, पटेलनगर (31-01-2020)
श्री मो. खान एन. के. पठान, बहु कार्य कर्मचारी, बुबीप्रवप्रके, भंडारा (31-10-2019)	श्री एन.व्ही.व्ही.एस., मूर्ति, बहु कार्य कर्मचारी, बुबीप्रवप्रके, आर.सी.वरम, (31-01-2020)
श्री राकेश कुमार, तकनीकी सहायक, बुबीप्रवप्रके, बिलासपुर (31-01-2020)	श्री सुभाष बहुकार्य कर्मचारी, बुबीप्रवप्रके, बालाघाट (29-02-2020)
श्री फकीर हंसदा, सहायक अधीक्षक (प्र) बुबीप्रवप्रके, खरसवां (31-01-2020)	

कार्य ग्रहण

डॉ. आलोक सहाय, निदेशक, के.त.रे.अनु. व प्र.सं., रांची ने दिनांक 31-12-2019 को बु.त.रे.बी.सं., बिलासपुर के निदेशक का अतिरिक्त कार्यभार ग्रहण किया तथा 31-03-2020 को सेवा निवृत्त हुए।

संरक्षण एवं प्रकाशन	प्रधान संपादक	संकलन व संपादन	तकनीकी सहयोग
डॉ. आलोक सहाय निदेशक	डॉ. एम.एस. राठौड़, वैज्ञानिक - सी डॉ. चन्द्रशेखरैय्या., वैज्ञानिक - सी	श्री फूल सिंह लोधी कनिष्ठ अनुवादक (हिन्दी)	डॉ. हसनसाब नदाफ, वैज्ञानिक – सी डॉ. विशाका,जी. वी., वैज्ञानिक – बी श्री के. के. मोदक, तकनीकी सहायक श्री बैद्यनाथ मिश्रा, तकनीकी सहायक

© प्रकाशकः निदेशक, बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन, केन्द्रीय रेशम बोर्ड (वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार), प्रथम तल, पेण्डारी, पोस्ट ऑफिस- भरनी, व्हाया- गनियारी, बिलासपुर-495112(छत्तीसगढ़), दूरभाषः 07752-291738, 291735 फैक्स : 07752-291735
ई-मेलः btssobil.csb@nic.in, वेबसाइट : www.btsso.org